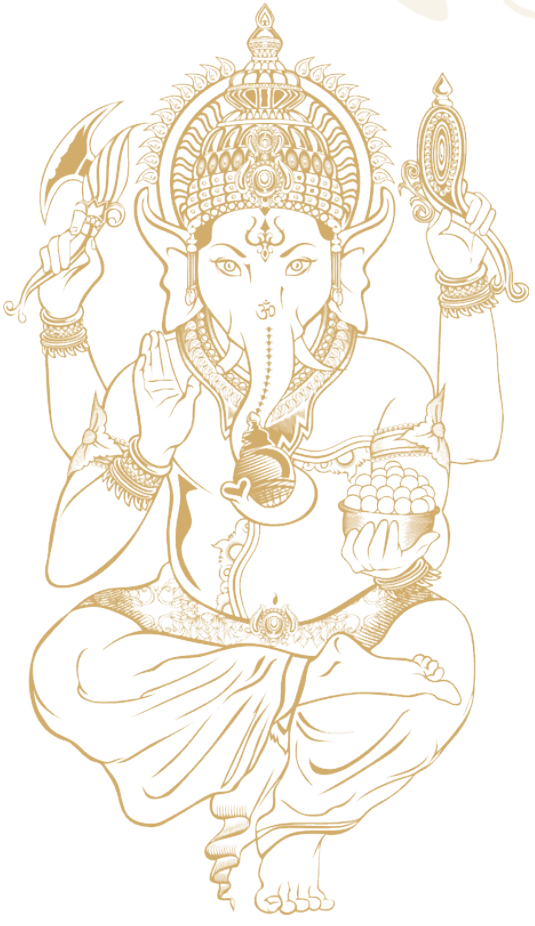

# Sh Ranu Vyas

20 Aug 1987

07:30 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121575403

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **20/08/1987** |
| दिन | गुरुवार |
| **जन्म समय** | **07:30:00 घंटे** |
| इष्ट | 03:40:44 घटी |
| **स्थान** | **Kota** |
| राज्य | Rajasthan |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:11:00 उत्तर |
| रेखांश | 75:58:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:26:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 07:03:52 घंटे |
| वेलान्तर | -00:03:31 घंटे |
| साम्पातिक काल | 04:55:23 घंटे |
| सूर्योदय | 06:01:42 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:57:07 घंटे |
| दिनमान | 12:55:25 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 02:51:26 सिंह |
| लग्न के अंश | 21:43:11 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **मिथुन - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **आर्द्रा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | राहु |
| योग | वज्र |
| करण | बालव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | श्वान |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मार्जार |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | ङ-- |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 21:43:11 | 325:01:32 | पू०फाल्गुनी | 3 | 11 | सूर्य | शुक्र | गुरु | --- |
| सूर्य | | | सिंह | 02:51:26 | 00:57:45 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | मूलत्रिकोण |
| चंद्र | | | मिथु | 14:35:46 | 11:53:09 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | केतु | मित्र राशि |
| मंगल | | अ | सिंह | 04:34:13 | 00:38:10 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | चंद्र | मित्र राशि |
| बुध | | अ | सिंह | 02:42:23 | 02:00:07 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | मित्र राशि |
| गुरु | व | | मेष | 06:02:47 | 00:00:03 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | मित्र राशि |
| शुक्र | | अ | सिंह | 01:58:57 | 01:14:15 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | शत्रु राशि |
| शनि | | | वृश्चि | 20:50:59 | 00:00:04 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | शुक्र | शत्रु राशि |
| राहु | व | | मीन | 09:18:39 | 00:05:13 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 09:18:39 | 00:05:13 | उ०फाल्गुनी | 4 | 12 | बुध | सूर्य | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृश्चि | 29:06:00 | 00:00:38 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | --- |
| नेप | व | | धनु | 11:45:20 | 00:00:52 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | --- |
| प्लूटो | | | तुला | 13:46:13 | 00:01:06 | स्वाति | 3 | 15 | शुक्र | राहु | बुध | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 21:26:06 | -- | रोहिणी | -- | 4 | शुक्र | चंद्र | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:03

## लग्न-चलित

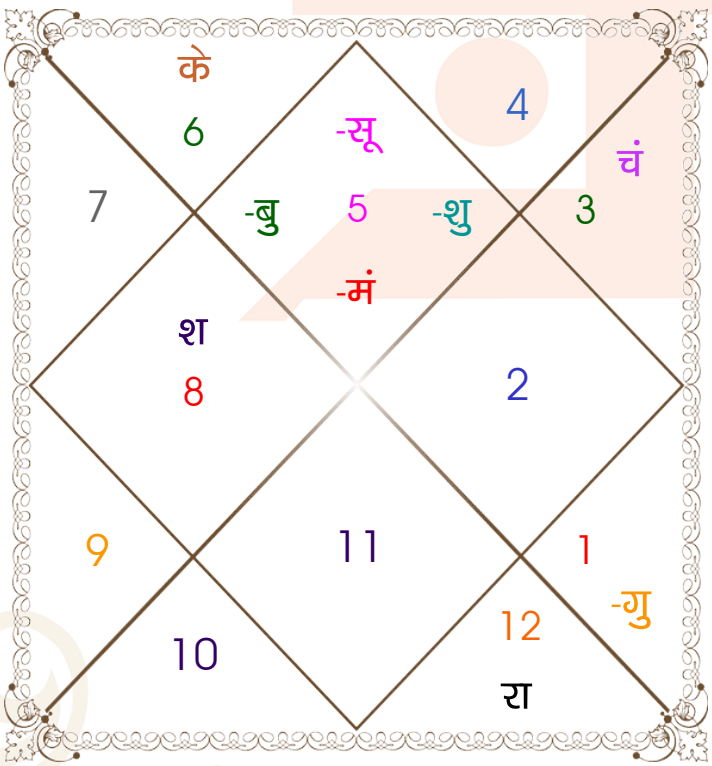


## चन्द्र कुंडली

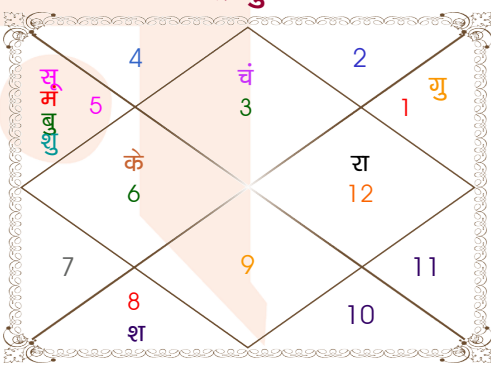


## नवमांश कुंडली

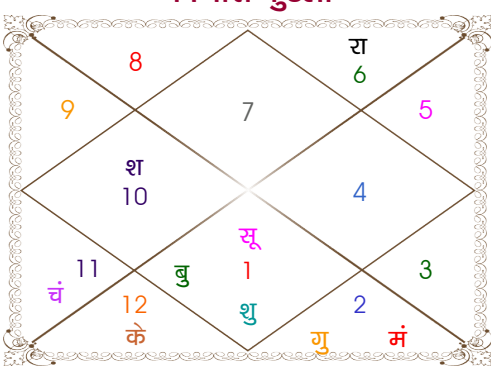

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 3 मास 16 दिन

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 20/08/1987 | | 05/12/1994 | | 05/12/2010 | | 05/12/2029 | | 05/12/2046 | |
| 05/12/1994 | | 05/12/2010 | | 05/12/2029 | | 05/12/2046 | | 05/12/2053 | |
| | 00/00/0000 | गुरु | 23/01/1997 | शनि | 08/12/2013 | बुध | 03/05/2032 | केतु | 04/05/2047 |
| | 00/00/0000 | शनि | 06/08/1999 | बुध | 17/08/2016 | केतु | 30/04/2033 | शुक्र | 03/07/2048 |
| | 00/00/0000 | बुध | 11/11/2001 | केतु | 26/09/2017 | शुक्र | 29/02/2036 | सूर्य | 08/11/2048 |
| | 20/08/1987 | केतु | 18/10/2002 | शुक्र | 26/11/2020 | सूर्य | 04/01/2037 | चंद्र | 09/06/2049 |
| केतु | 24/06/1988 | शुक्र | 18/06/2005 | सूर्य | 08/11/2021 | चंद्र | 06/06/2038 | मंगल | 05/11/2049 |
| शुक्र | 24/06/1991 | सूर्य | 06/04/2006 | चंद्र | 09/06/2023 | मंगल | 03/06/2039 | राहु | 23/11/2050 |
| सूर्य | 18/05/1992 | चंद्र | 06/08/2007 | मंगल | 18/07/2024 | राहु | 20/12/2041 | गुरु | 30/10/2051 |
| चंद्र | 17/11/1993 | मंगल | 12/07/2008 | राहु | 25/05/2027 | गुरु | 27/03/2044 | शनि | 08/12/2052 |
| मंगल | 05/12/1994 | राहु | 05/12/2010 | गुरु | 05/12/2029 | शनि | 05/12/2046 | बुध | 05/12/2053 |

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 05/12/2053 | | 05/12/2073 | | 06/12/2079 | | 05/12/2089 | | 05/12/2096 | |
| 05/12/2073 | | 06/12/2079 | | 05/12/2089 | | 05/12/2096 | | 00/00/0000 | |
| शुक्र | 06/04/2057 | सूर्य | 25/03/2074 | चंद्र | 05/10/2080 | मंगल | 03/05/2090 | राहु | 18/08/2099 |
| सूर्य | 06/04/2058 | चंद्र | 23/09/2074 | मंगल | 06/05/2081 | राहु | 22/05/2091 | गुरु | 12/01/2102 |
| चंद्र | 06/12/2059 | मंगल | 29/01/2075 | राहु | 05/11/2082 | गुरु | 27/04/2092 | शनि | 18/11/2104 |
| मंगल | 04/02/2061 | राहु | 24/12/2075 | गुरु | 06/03/2084 | शनि | 06/06/2093 | बुध | 07/06/2107 |
| राहु | 05/02/2064 | गुरु | 11/10/2076 | शनि | 05/10/2085 | बुध | 03/06/2094 | केतु | 21/08/2107 |
| गुरु | 06/10/2066 | शनि | 23/09/2077 | बुध | 07/03/2087 | केतु | 30/10/2094 | | 00/00/0000 |
| शनि | 05/12/2069 | बुध | 31/07/2078 | केतु | 06/10/2087 | शुक्र | 30/12/2095 | | 00/00/0000 |
| बुध | 05/10/2072 | केतु | 05/12/2078 | शुक्र | 06/06/2089 | सूर्य | 06/05/2096 | | 00/00/0000 |
| केतु | 05/12/2073 | शुक्र | 06/12/2079 | सूर्य | 05/12/2089 | चंद्र | 05/12/2096 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।